वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 86 | शनिवार 20 जुलाई 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

सीएम ने कहा हम शिलान्यास भी करेंगे और उद्घाटन भी

जयपुर. शाबाश इंडिया

इस मौके पर प्रतिनिधि मण्डल को संबोधित करते हुए सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि सरकार ने पहले ही बजट में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में हर वर्ग को राहत देने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि हम केवल चुनावी घोषणा ही नहीं करेंगे। बल्कि योजनाओं का धरातल पर क्रियान्वयन भी सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने आश्वस्त किया कि हम जिन कार्यों का शिलान्यास करेंगे। उनका हमारे ही कार्यकाल में उद्घाटन भी करेंगे।

सीएमआर में लालसोट से आए लोगों ने बजट घोषणाओं के लिए सीएम का जताया आभार बजट पेश होने के बाद लगातार अलग-अलग जिलों और कस्बो से प्रतिनिधि मण्डल सीएमआर पहुंचकर बजट घोषणाओं के लिए सीएम भजनलाल शर्मा का आभार जता रहे हैं। आज लालसोट विधानसभा क्षेत्र से सीएमआर पहुंचे प्रतिनिधि मण्डल ने बजट घोषणाओं के लिए सीएम भजनलाल शर्मा का आभार जताया। इस मौके पर प्रतिनिधि मण्डल को संबोधित करते हुए सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि सरकार ने पहले ही बजट में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में हर वर्ग को राहत देने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि हम केवल चुनावी घोषणा ही नहीं करेंगे। बल्कि योजनाओं का धरातल पर क्रियान्वयन भी सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने आश्वस्त किया कि हम जिन कार्यों का शिलान्यास करेंगे। उनका हमारे ही कार्यकाल में उद्घाटन भी करेंगे। सीएम ने कहा कि बजट प्रत्येक क्षेत्र की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। जिससे विकास का रोडमेप तैयार हो तथा विकसित राजस्थान संकल्प की सिद्धि

की जा सके। उन्होने कहा कि हम 8 करोड़ जनता की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए समर्पित होकर काम कर रहे हैं। संकल्प पत्र में किए गए प्रत्येक वादे को पूरा करेगी राज्य सरकार मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अंत्योदय की अवधारणा की पालना कर अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के लिए योजनाओं-कार्यक्रमों का संचालन कर रही है।

उन्होंने कहा कि जरूरतमंद को लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ देने में मदद कर सभी लोग अपने नागरिक कर्तव्यों का पूरा करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार संकल्प पत्र एवं बजट की प्रत्येक घोषणा को क्रियान्वित करने के लिए प्रतिबद्ध है। बजट घोषणाओं से प्रदेश में खुशी का माहौल प्रतिनिधि मण्डल लेकर सीएमआर पहुंचे लालसोट विधायक रामबिलास ने कहा कि मुख्यमंत्री ने इस बजट में दौसा जिले तथा लालसोट के लिए कई घोषणाएं की हैं। इसलिए मुख्यमंत्री का आभार जताने के लिए हम यहां आए हैं। इस मौके पर जन प्रतिनिधियों ने सीएम भजनलाल शर्मा का माल्यार्पण कर उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने लालसोट के निवासियों के साथ संवाद भी किया।

अंगदान को लेकर सामाजिक चेतना जाग्रत करने में सेवाभावी संगठनों की भूमिका अहमः ऊर्जा मंत्री

जयपुर. शाबाश इंडिया। ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने कहा कि अंगदान बड़े पुण्य का काम है। इसके माध्यम से जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन दिया जा सकता है। राज्य सरकार प्रदेश में अंगदान को बढ़ावा दे रही है। नागर शुक्रवार को अल्बर्ट हॉल पर राजस्थान रेडक्रॉस सोसायटी की ओर से आयोजित अंगदान-महादान रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस संवेदनशील विषय पर जनचेतना जाग्रत करने के उद्देश्य से रेडक्रॉस की पहल की सराहना की और कहा कि अंगदान को लेकर समाज में भ्रांतियों को दूर करने की आवश्यकता है। इस दिशा में रेडक्रॉस सहित अन्य सेवाभावी संगठन महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, राजस्थान के जनरल सेक्रेटी जगदीश जिंदल, उपाध्यक्ष जगदीश खत्री, जयपुर ब्रांच की डॉ. नीलम जैन, अतिरिक्त निदेशक चिकित्सा शिक्षा डॉ. रश्मि गुप्ता, एसएमएस अस्पताल के रिहैबिलिटेशन सेंटर के निदेशक डॉ. मृणाल जोशी आदि ने ऊर्जा मंत्री का स्वागत किया। सांगानेरी गेट से रवाना होकर बड़ी संख्या में युवाओं तथा विद्यार्थियों की यह रैली अल्बर्ट हॉल पहुंची। जहां प्रतिभागियों ने अंगदान की शपथ ली।

राज्यपाल कलराज मिश्र की उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात

जयपुर. शाबाश इंडिया। राज्यपाल कलराज मिश्र की शुक्रवार को लखनऊ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री महंत योगी आदित्यनाथ से मुलाकात हुई। दोनों की यह शिष्टाचार भेंट थी। राज्यपाल मिश्र की योगी आदित्यनाथ ने भाव-भरी अगवानी करते हुए उनका स्वागत और अभिनंदन किया। इस दौरान दोनों ने विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

कलाकुंज जैन मंदिर में आयोजित हो रहा है श्री शांतिनाथ महामंडल विधान

आगरा. शाबाश इंडिया। मेडिटेशन गुरु उपाध्याय श्री विहसंत सागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद से सोलह दिवसीय श्री शांतिनाथ महामण्डल विधान का आयोजन हो रहा है। कलाकुंज मन्दिर समिति के तत्वावधान में 06 जुलाई से आयोजित यह विधान आगरा के मारूति स्टेट स्थित कलाकुंज के श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर में किया जा रहा है। जिसमें पंडित शुभम जैन शास्त्री के कुशल निर्देशन में विधान के 14वें दिन 19 जुलाई को भक्तजनों ने अष्ट द्रव्यों के साथ प्रभु की आराधना करते हुए माण्डले पर अर्घ्य अर्पित कर श्री शांतिनाथ विधान की मांगलिक क्रियाएं पूर्ण कीं। विधान के समापन पर सभी भक्तों ने संगीतमय प्रभु की मंगल आरती की। विधान का समापन 22 जुलाई को विश्वशांति महायज्ञ के साथ किया जाएगा। इस अवसर पर मन्दिर अध्यक्ष रविन्द्र जैन,आदित्या जैन,राजीव जैन,मुकेश जैन भगत मनोज जैन,अजय जैन,संयम जैन, राजा जैन,देवेंद्र जैन,दीपचन्द जैन, शुभम जैन,रश्मि जैन,मंजरी जैन, रतिभा जैन,सुनीता जैन,निशा जैन, रीता जैन,सुनंदा जैन,स्वीटी जैन,पुष्पा जैन मीना जैन,समस्त कलाकुंज जैन समाज के लोग बडी. संख्या में उपस्थित रहे। विधान के अंत में मंदिर समिति ने सभी का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। **-रिपोर्ट शुभम जैन**

अन्तर्मना उवाच

हकदार बदल दिये जाते हैं, किरदार बदल दिये जाते हैं..
ये संसार स्वार्थी है मित्रो, यहाँ मन्नत पूरी ना हो तो, रिश्ते तो क्या ?
भगवान तक बदल दिये जाते हैं..!

अरे बाबु ! ये जीवन परमात्मा का पुरस्कार है। कुदरत की सौगात है। प्रकृति का उपहार है। लेकिन मैं कहता हूं कि मनुष्य जीवन एक अवसर है, आदमी जो होना चाहे, वह हो सकता है। उसे सिर्फ अपने को, अपनी आदतों को, साधने की जरूरत है। अगर अंगुलियाँ साधना आ जाए, तो -- लोग जिसे तुंबा कहते हैं ना -- वह तंबूरा बन सकता है। जिसे तुम बाँस की टोकरी कहते हो - वह बाँसुरी बन सकता है। अभी तुम तुंबा हो, तुम्हें तंबूरा बनना है। बाँस की टोकरी से बाँसुरी बनना है। अभी तुम सिर्फ एक कली हो, तुम्हें फूल बनना है। अभी तुम्हें खिलना है और खिलकर महकना है। कली में गंध नहीं होती, गंध तो फूल में हुआ करती है। अभी तुम में, संयम और चरित्र की गंध पैदा होना बाकी है। कहीं ऐसा ना हो, यह कली खिलने से पूर्व ही काल के गाल में समा जाए और तुम कहो, मेरा जीवन कोरा कागज - कोरा ही रह गया। अगर कदाचित ऐसा हुआ तो तुम्हारा तो यहाँ आना ही व्यर्थ हो जाएगा।

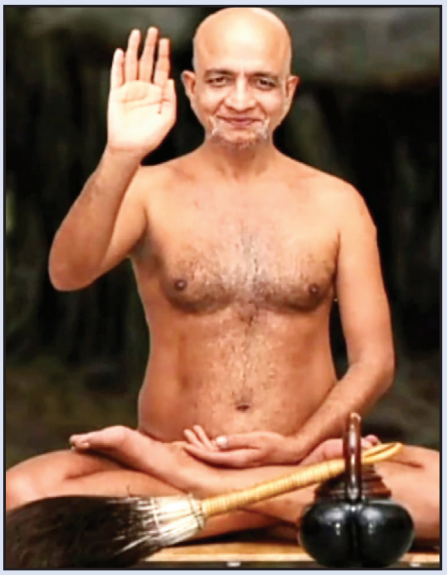

तुम फूल बनकर ही झड़ना.. तप त्याग संयम आचरण की खुशबू बिखेर कर ही मरना। **नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद**

रोटरी फ्रेंडशिप एक्सचेंज कार्यक्रम की टीम अमेरिका जायेगी

जयपुर. शाबाश इंडिया। रोटरी फ्रेंडशिप एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3056 के पांच सदस्य शांति एवं दोस्ती का संदेश लेकर अमेरिका के शिकांगो व बोस्टन शहर जायेंगे । रोटरी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर राखी गुप्ता ने जाने वाले सदस्यों का तिलक लगाकर अभिनंदन किया । इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रोटरी फ्रेंडशिप एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3056से पांच सदस्य अमेरिका अतिथि ग्रहण करेंगे। उनकी सेवा कार्यों का अवलोकन करेंगे एवं आर्थिक विचारविमर्श करेंगे ' रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3056 के मैटर एवं पूर्व गवर्नर अशोक गुप्ता ने सबका माला पहनकर स्वागत किया एवं सबको आशीर्वाद दिया। साथ ही रोटरी की मान्यताओं को और ऊंचा उठने के लिए एवं प्रदेश व देश का मान बढ़ाने के लिए संदेश दिया ' इस अवसर पर फ्रेंडशिप एक्सचेंज के डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन विकास सोलंकी एवम हरीश भारद्वाज भी उपस्थित थे' जाने वाले सदस्यों में रोटरी क्लब जयपुर बापूनगर के सचिव बसंत जैन ,जयपुर गुरुकुल की सदस्य राधिका शर्मा ,जयपुर क्लब के अशोक शर्मा, जयपुर एलिट के पुष्प देवन, रोटरी क्लब उदयपुर के सदस्य कपूर चंद जैन 19 जुलाई को प्रस्थान करेंगे , यह सभी सदस्य 7 दिन शिकागो रहने व 7 दिन बोस्टन रोटरी डिस्ट्रिक्ट क्लब का आथित्य स्वीकार करेंगे । ग्रुप के संयोजक बसंत जैन ने कहा कि हम रोटरी डिस्ट्रिक एवं भारत की संस्कृति सेवा कार्यों से उनको अवगत कराएंगे तथा उनकी संस्कृति एवं सेवा कार्यों की जानकारी हासिल करेंगे साथ ही उनको भारत की यात्रा का निमंत्रण भी देंगे।

विश्व शतरंज दिवस पर विशेष

शतरंज का उभरता सितारा वाणी जैन

जयपुर. शाबाश इंडिया। मानसरोवर स्थित महात्मा गांधी सरकारी स्कूल कक्षा 9 की छात्रा उम्र 13 वर्ष वाणी जैन मध्यम वर्गीय संयुक्त परिवार से हैं। वर्तमान समय में शतरंज की बहुत अच्छी खिलाड़ी है। कोरोना का समय था और लॉकडाउन लगा था सभी घरों में पैक थे, टीवी और मोबाइल

की लत लगी पड़ी थी उस समय वाणी ने अपने पापा से शतरंज खेलना सिखा। शुरूआत में तो यह खेल बहुत बोरिंग लगा लेकिन धीरे-धीरे इंटरेस्ट आया तो यह खेलती गई वर्तमान समय में रोज 4 से 5 घंटे शतरंज खेलती है वाणी ने जयपुर और जयपुर के बाहर भी बहुत से टूर्नामेंटों में भाग लिया है और से बहुत से रिकॉर्ड अपने नाम किए है । वाणी ने अपनी सहेलियों को भी शतरंज खेलना सिखाया और आज उसकी सहेलियां भी इस खेल में बहुत रुचि रखती है। वाणी बताती है कि है शतरंज दैनिक जीवन के लिए बहुत जरूरी है शतरंज और जीवन में कोई विशेष फरक नहीं है जीवन में उपलब्धिया पाने के लिए शतरंज को समझना बहुत जरूरी है । शतरंज एक भारतीय खेल है और इसकी शुरूआत भी भारत से ही हुई है। शतरंज खेलने से सीखने की क्षमता बढ़ती है , डिसीजन लेने की क्षमता बढ़ती है प्लानिंग और फोकस करने की क्षमता भी बढ़ती है। वाणी बताती है कि शतरंज हमें हर कदम को सोच समझ कर चलना सीखाता है एवं विशेष परिस्थितियों में कदम पीछे लेना भी सीखाता है । शतरंज हमें एक अनुशासित रणनीति सीखाता है , और कई बार रणनीति बदलनी भी पड़ती है यह भी सीखाता है। वाणी सभी पेरेंट्स को कहना कहना चाहती है कि वह भी अपने बच्चों को शंतरज खेलना सिखाए शतरंज बच्चों में बदलाव लायेगा और शतरंज की चाल जीवन में बहुत काम आएगी। वाणी सरकार से भी निवेदन करती है की हर भारतीय स्कूल में शतरंज की शिक्षा दी जाए जिससे

पवित्रमति माताजी के सानिध्य में नंदीश्वर दीप विधान का आयोजन

नोगामा. शाबाश इंडिया

परम पूज्य आयिका विज्ञान मति माताजी की शिष्या पवित्र मति माताजी सह संध नौगामा नगर में विराजमान है। माता जी के सानिध्य में आज विधान आचार्य रमेश चंद्र गांधी वीना दीदी, राशिका दीदी के दिशा निर्देशन में पंडाल में नंदीश्वर दीप विधान का आयोजन किया गया । प्रातः श्री जी को गाजो बाजे साथ के साथ श्री जी को पंडाल में लाया गया जहां पर नानावटी विनोद कुमार द्वारा श्रीजी का प्रथम अभिषेक करने का लाभ मिला इसके उपरांत नंदीश्वर दीप विधान का मंडल पर मंत्र उच्चारण के साथ मंगल कलशो स्थापना की गई एवं अष्टप्रतिहारियों से सजाया गया था । सोधर्म इंद्र पंचोरी पंकज बदामी लाल कुबेर इंद्र पंचोली कैलाश चंद्र मोदी को बनने का सौभाग्य प्राप्त एवं विधान का द्रव्य देने का सौभाग्य गांधी राकेश कुमार रमलाल को प्राप्त हुआ हुआ । इस अवसर पर महिला मंडल बालिका मंडल नवयुग मंडल द्वारा बारी-बारी से नंदीश्वर दीप विधान के 52 अर्ध एवं पंचमेरू के 5 अर्ध चढ़ाए गए। इस अवसर पर माताजी द्वारा नंदीश्वर दीप विधान का महत्व बताया इस अवसर पर चातुर्मास कमेटी के अध्यक्ष निलेश जैन ने बताया कि दिनांक 22 जुलाई को प्रातः आदिनाथ विधान एवं दोपहर को चातुर्मास मंगल कलश स्थापना प्रतिष्ठा आचार्य प्रदीप भैया एवं नमन भैया के सानिध्य में कार्यक्रम होगा। इस अवसर पर अन्य राज्यों से भी श्रद्धालुओं का आगमन होगा इस हेतु व्यापक तैयारियां की जा रही है उक्त जानकारी जैन समाज प्रवक्ता सुरेश चंद्र गांधी द्वारा दी गई।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया ने आचार्य श्री प्रज्ञा सागर महाराज का लिया आशीर्वाद

झालरापाटन. शाबाश इंडिया

राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने शुक्रवार शाम को राजस्थान सरकार के राजकीय अतिथि का दर्जा प्राप्त तपोभूमि प्रणेता आचार्य श्री 108 प्रज्ञासागर महाराज का मंगल आशीर्वाद लिया। उन्होंने आचार्य श्री से धर्म चर्चा की। एवम आचार्य श्री ने धर्म चर्चा के दौरान उनसे राजनीति के साथ ही धर्म के साथ हमेशा जुड़े रहने की सलाह दी। और पर्यावरण की रक्षा के लिए इस क्षेत्र के साथ ही पूरे प्रदेश में अधिक से अधिक पौधे लगवाने की सलाह दी। आचार्य ने उनके समक्ष लगातार बढ़ रहे प्रदूषण पर गहरी चिंता व्यक्त की और चिंता जताते हुए पौधारोपण के प्रति सरकार को अधिक से अधिक लोगों को जागरूक कर इस महा अभियान चलाने की सलाह दी। जिस पर श्रीमती वसुंधरा राजे ने कहा कि इस अभियान को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राज्य सरकार ने एक पौधा मां के नाम अभियान चलाकर प्रदेश में पौधारोपण को लेकर अलख जगाई जा रही है। जिसके माध्यम से प्रदेश में बड़ी संख्या में पौधे लगाकर उन्हें संरक्षित करने की सरकार की योजना है जिस पर काम शुरू हो गया है। इस अवसर पर सकल दिगंबर जैन समाज झालरापाटन की ओर से राजे का स्वागत भी किया गया।

नलिन लुहाड़िया झालरापाटन से प्राप्त जानकारी के साथ अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी की रिपोर्ट

वेद ज्ञान

मन पर रखें संयम

जैसे योग, आसन और व्यायाम के बगैर मानव शरीर पुष्ट नहीं होता, ठीक उसी प्रकार मन का कार्य उचित तरीके से संपन्न करने के लिए कुछ न कुछ मानसिक योग-व्यायाम भी आवश्यक हैं। जिस मानव में असीम शारीरिक शक्ति हो, लेकिन मन का स्वरूप विकसित न हो, उसे पूर्ण मनुष्य नहीं कहा जा सकता। क्या आपके मन में बीते हुए दुर्बल और हानिकारक विचार उत्पन्न होते हैं? ऐसे विचारों के लिए अंतःकरण शुद्ध कीजिए। इन्हें स्वच्छ करना बहुत जरूरी है। समस्त रोग, शोक, दुख, निराशा के विचार मन में विषैले जीवाणु उत्पन्न करते हैं। इसलिए इनसे मुक्त रहने का प्रयास करते रहना चाहिए। मन का मैल निकाल देने पर व्यक्ति उत्तम रीति से कार्य संपन्न कर सकता है। व्यक्ति का पहला मानसिक दोष उसकी अत्यधिक चंचलता है। स्वभावतः मन चंचल है, किन्तु उसका रंग-बिरंगी तितली की भांति एक फूल से दूसरे फूल पर मंडराना गलत है। कोई तत्व, विशेष विचार या भावना को ले लीजिए। वह चाहे जैसा शुष्क क्यों न हो, उस पर मन की समग्र वृत्तियों को एकाग्र कर दीजिए। मन कुछ समय उपरांत भागेगा, किंतु आप संयम द्वारा उसे बांधे रखिए। विचलित न होइए। इस क्रिया से मन में दृढ़ता आती है। मनन करना मन का श्रेष्ठ नहीं बल्कि सर्वश्रेष्ठ व्यायाम है। आप सारे दिन किस प्रकार के विचारों का चिंतन-मनन करते हैं, किन-किन विभिन्न वृत्तियों, भावनाओं में दिन गुजारते हैं? अपने मन के दृष्टा बनकर पूर्ण परीक्षा कीजिए। शास्त्र कहते हैं कि जो मनुष्य अपने विषय में तुच्छ विचार रखता है, वह भयंकर मानसिक रोग से पीड़ित है। एक ऊंची भावना मन में लेकर उसी विषय में निमग्न होकर विचरण करें। उसी से आत्मा को स्नान कराते रहें। शुभ विचार से द्वेष, घृणा, ईर्ष्या आदि का उद्भव नहीं होता। निरोग मन बनाने के लिए अपने ईश्वर तत्व को प्रकाशित कीजिए। आपके मन का प्रत्येक अणु ईश्वर तत्व से अनुप्राणित है। ईश्वर के मार्ग प्रकाश में अवरोध न डालिए। यदि अध्ययन, मनन या साधना के समय यदि मन को दृढ़ता से एकाग्रचित्त न किया जाए, तो उसके फल प्राप्त ही नहीं होते।

संपादकीय

आए दिन हो रही हैं रेल दुर्घटनाएं

देश के अलग-अलग हिस्सों में जिस तरह लगातार ट्रेन हादसों की घटनाएं हो रही हैं, उससे ऐसा लगता है मानो दुर्घटनाएं अब आम दिनचर्या का हिस्सा बन रही हैं और इसे लेकर प्रकारांतर से सहज होने की स्थितियां बन रही हैं। विचित्र है कि हर हादसे के सुर्खियों में आने और सवाल उठने के बाद सरकार यह घोषणा करने की औपचारिकता निभाना नहीं भूलती कि घटना की जांच

की जाएगी, ऐसे उपाय किए जाएंगे, ताकि भविष्य में ऐसा हादसा न हो। मगर फिर कुछ दिन बाद देश के किसी हिस्से से अन्य बड़ी रेल दुर्घटना की खबर आ जाती है और कभी भी रेल महकमे के मंत्री को जिम्मेदारी लेने की जरूरत नहीं महसूस होती। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में गुरुवार को चंडीगढ़ से डिब्रूगढ़ जा रही एक एक्सप्रेस ट्रेन के आठ डिब्बे पटरी से उतर गए, जिनमें से पांच पलट गए। इस घटना में चार लोगों की मौत हो गई और कम से कम बीस अन्य के घायल हो गए। यह हादसा यही बताता है कि रेल यात्रा को सुरक्षित बनाने के सरकार के तमाम दावे महज आश्वासन भर हैं। ऐसा क्यों है कि एक ओर रेल महकमे को आधुनिक स्वरूप देने, उच्च तकनीकी से लैस करने के दावे किए जा रहे हैं, दूसरी ओर पटरियों पर होने वाले हादसे रुक नहीं रहे हैं। इस घटना के बाद एक बार फिर इसके कारणों को लेकर लंबी पड़ताल चलेगी और आम जनता को शायद ही पता चलेगा कि इसकी क्या वजह थी और इसके लिए किसे जिम्मेदार ठहराया गया, क्या कार्रवाई हुई और इस संदर्भ में सरकार ने क्या ऐसे उपचारात्मक उपाय किए, ताकि भविष्य में ऐसा हादसा फिर न हो। अफसोस की बात यह है इस तरह की कवायदें सभी हादसों के बाद होती हैं, मगर कुछ समय बाद होने वाले हादसे सरकारी आश्वासनों की हकीकत बताने के लिए काफी होते हैं। ट्रेनों के आपस में टकरा जाने के अलावा हाल के दिनों में पटरियों पर से उतर जाने की घटनाएं जिस रफ्तार से बढ़ी हैं, उससे यह साफ है कि या तो किसी रूप में पटरियों से छेड़छाड़ की आपराधिक घटनाएं हो रही हैं या फिर रखरखाव के पहलू से रेल महकमा पर्याप्त निगरानी और मरम्मत का काम सुनिश्चित करने में नाकाम है। आए दिन यह बताया जाता है कि रेल दुर्घटनाओं को पूरी तरह रोकने के लिए आधुनिक तकनीकी का सहारा लिया जा रहा है। 'कवच प्रणाली' के जरिए ट्रेनों के आपस में टक्कर होने को पूरी तरह रोकने का दावा किया जाता है। मगर कुछ समय के अंतराल पर आमने-सामने या पीछे से ट्रेनों की टक्कर और उसमें लोगों के मारे जाने से कवच प्रणाली की सीमा का पता चलता है कि यह कितनी ट्रेनों को उपलब्ध कराया गया है या जिसमें है, उसमें कितना कारगर है। ट्रेनों की रफ्तार को और ज्यादा बढ़ाने को एक यात्री सुविधा के रूप में पेश किया जाता है, मगर पटरियों की गुणवत्ता का सवाल प्राथमिक नहीं होता। बुलेट ट्रेन या अन्य तेज रफ्तार ट्रेनों की व्यवस्था के दावे सुर्खियों में होते हैं, वहीं मौजूदा रेल-संचालन को भी यात्रियों के लिए पूरी तरह सुरक्षित नहीं बनाया जा पा रहा। -**राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

साख का सवाल

अक्सर ऐसी खबरें आती हैं, जिनमें किसी अभ्यर्थी ने फर्जी प्रमाणपत्रों के आधार पर नौकरी हासिल कर ली। मगर संघ लोक सेवा आयोग यानी यूपीएससी जैसी संस्था आमतौर पर इस तरह के आरोपों से बची रही है। माना जाता रहा है कि यूपीएससी की किसी परीक्षा को पास करने के बाद नियुक्ति के लिए चुने गए अभ्यर्थी के प्रमाणपत्रों की गहन जांच होती है। मगर भारतीय प्रशासनिक सेवा के लिए चुनी गई एक अधिकारी पूजा खेडकर के पद के दुरुपयोग के मामले में और उसके बाद जैसी खबरें आ रही हैं, उससे यही लगता है कि संघ लोक सेवा आयोग जैसे उच्च स्तरीय संस्थान में भी किसी उम्मीदवार के प्रमाणपत्रों की जांच को लेकर लापरवाही या उदासीनता बरती जाती है। गौरतलब है कि पुणे में प्रशिक्षु आइएएस अधिकारी पूजा खेडकर यूपीएएससी की परीक्षा में चुने जाने के लिए खुद को शारीरिक रूप से दिव्यांग और अन्य पिछड़ा वर्ग समुदाय का बताने के लिए फर्जी प्रमाणपत्र पेश करने के आरोपों का सामना कर रही हैं। उन पर पुणे में तैनाती के दौरान विशेषाधिकारों का दुरुपयोग करने का भी आरोप है। हैरानी की बात यह है कि पूजा खेडकर का मामला सुर्खियों में आने के बाद अब भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा के कुछ अन्य अधिकारियों के बारे में भी यह दावा किया गया है कि उन्होंने अन्य पिछड़ा वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लाभ उठाने के मकसद से फर्जी प्रमाणपत्रों का उपयोग किया है। सवाल है कि जब कोई अभ्यर्थी यूपीएससी की परीक्षाओं में सभी स्तर को पार करके चुन लिया जाता है, तब उसके बाद नियुक्ति के पहले उसके प्रमाणपत्रों की जांच को लेकर कैसी व्यवस्था है कि कोई व्यक्ति हेराफेरी करके अपने लिए प्रमाणपत्र बनवा लेता है, जिसे यूपीएससी भी अपनी जांच में पकड़ नहीं पाता।

अब संभव है कि संदिग्ध अधिकारियों के प्रमाणपत्रों की फिर से गहन जांच हो। लेकिन अगर फर्जीवाड़े के आरोप सही पाए गए तो जिस यूपीएससी के समूचे तंत्र को पूरी तरह पाक- साफ और चौकस बताया जाता है, वहां अभ्यर्थियों के प्रमाणपत्रों की जांच में इस कदर लापरवाही बरतने को लेकर कैसी धारणा बनेगी? क्या यह देश के सबसे विश्वसनीय माने जाने वाले संस्थान की साख का सवाल नहीं है?

ग्रेस एकेडमी में हुआ पौधारोपणः एसडीओपी ने कहा प्रकृति ही भगवान का दूसरा रूप

अम्बाह. शाबाश इंडिया

ग्रेस एकेडमी स्कूल जग्गा चौराहे पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत एसडीओपी रवि भदौरिया ने वरिष्ठ चिकित्सक डॉ नारायण हरि शर्मा,समाजसेवी अशोक जैन एडवोकेट, धीरेंद्र सिंह तोमर, विनोद शर्मा, रामनरेश शर्मा एवं स्कूली बच्चों और स्टाफ के साथ पौधारोपण किया। इस दौरान स्कूल परिसर आधा सैकड़ा पौधों के रोपण का साक्षी बना। यहां उत्सवी माहौल में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत सघन पौधारोपण किया गया। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत हुये पौधारोपण के सामाजिक अनुष्ठान में समाज के सभी वर्गों ने सहभागिता निभाई। इस दौरान सभी यहां पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण और वानिकीकरण के पुण्य कार्य में भागीदार बनें। यहां फलदार, छायादार और औषधीय प्रजातियों के पौधे रोपे गए। जिसमें आम, आंवला, नीम, करंज, शीशम, हर्रा, बहेरा, पीपल, बरगद, कचनार आदि के पौधे शामिल हैं। इस दौरान एडीओपी रवि भदौरिया ने कहा कि आज का दिन विशेष है, ईश्वर का दूसरा रूप प्रकृति है। बढ़ती गर्मी प्रकृति की अनदेखी की ही परिणिति है। पौधारोपण से पर्यावरण संरक्षण के साथ फल और छाया भी मिलता है। डॉक्टर नारायण हरी शर्मा ने कहा कि यहां छात्र छात्राओं की स्टडी से संबंधित पौधों का भी रोपण होना चाहिए ताकि विज्ञान के विषय की पढ़ाई करने में छात्र छात्राओं को इससे मदद मिल सके। उन्होंने आने वालीं पीढ़ी के भविष्य के नजरिये से पौधारोपण को जरूरी बताते हुए कहा कि रोपे गए पौधों की बेहतर देखभाल हो ताकि आज रोपे पौधे भविष्य में वृक्ष बनें। उन्होंने प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किये गए एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधारोपण को भविष्य की पीढ़ी के लिए जरूरी बताते हुए कहा कि वृक्ष है तो जल है, जल है जो जीवन है।

चरणानुयोग ग्रंथ सबसे कठिन हैं क्योंकि इसमें चलना पड़ता है : आर्यिका सुनयमति माताजी

दीपक प्रधान. शाबाश इंडिया

इंदौर। पुज्य आचार्य श्री सुंदर सागर जी की परम शिष्याः आर्यिका सुनयमति माताजी ससंघ मल्हारगंज में विराजमान हैं।आर्यिका माताजी ने धर्म सभा मे प्रवचन में कहा कि चरणानुयोग ग्रंथ सबसे कठिन हैं क्योंकि इसमें चलना पड़ता है। आज पूरे भारत में सबसे कठिन आचरण किसका है दिगम्बर साधु का है इसको पालन करने वाले कितने हैं बस 1000- 1500। पूरी जिंदगी इन 28 मूलगुणों को पालना पढ़ता है, चाहे आपके प्राण चले जाए पर 28 मुलगुण छूटना नही चाहिए ऐसा संकल्प एक साधु का होता है। और साधु सबसे कम है इससे यह सिद्ध होता हैं कि चरणानुयोग सबसे कठिन है। अगर एक श्रावक सबसे बेसिक 8 मूलगुण का पालन करे समयक्तव चारित्र का आचरण तथा पालन करे और अंत में समाधि मरण करेगा तो वह जीव स्वर्ग में जाएगा। आचरण करेंगे तो आपकी गति सुधर जाएगी और बिना आचरण करे गति कभी सुधरती नही हैं। चरणानुयोग सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण हैं अगर महत्वपूर्ण नहीं होता तो हम ऊपर क्यों बैठे हैं और आप नीचे क्यों बैठे हैं इसलिए आचरण पूज्य है अकेला ज्ञान पूज्य नही है और यदि आचरण के साथ ज्ञान है तो सोने पर सुहागा। जो साधु प्रवचन नही कर पाते स्वाधाय भी बोल बोल कर नही कर पाते फिर भी आप उनके पास जाओगे तो उनके चरण स्पर्श करोगे क्यों? क्योंकि वो 28 मूलगुण का पालन करते हैं तो अपने जीनागम में आचरण की पूज्यता है।

दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता सम्पन्न

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद । निकटवर्ती ग्राम नांदला स्थित पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय में गुरुवार को प्रारंभ हुई दो दिवसीय संकुल स्तरीय योगा ,टेबल टेनिस, खो-खो एवं बास्केटबॉल प्रतियोगिता का शुक्रवार को समापन हुआ। विद्यालय प्राचार्य गिरिराज रेवाड ने बताया कि उक्त संकुल स्तरीय प्रतियोगिता में हरियाणा, राजस्थान एवं दिल्ली में स्थित जवाहर नवोदय विद्यालयों के कुल 141 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में प्रदर्शन के आधार पर 23 जुलाई से 25 जुलाई को जवाहर नवोदय विद्यालय करौली, पाली, मुंगेशपुर एवं रेवाड़ी में आयोजित होने वाली संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए टीम का चयन किया गया। प्राचार्य गिरिराज रेवाड ने सभी प्रतिभागियों को अनुशासन में रहकर कठिन परिश्रम के बल पर जीवन में सफलता पाने का मूल मंत्र दिया। सभी खेलों के लिए चयनित छात्र रविवार को संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु प्रस्थान करेंगे।

स्वर्ण जयंती वर्ष- महावीर इंटरनेशनल रॉयल ने महावीर अन्न क्षेत्र में किया सेवा कार्य

ब्यावर. शाबाश इंडिया। सेवा कार्य में अग्रणी महावीर इंटरनेशनल रॉयल की प्रेरणा से संस्था सदस्य सुरेंद्र जी रांका के सहयोग से स्व. मदनलाल जी रांका की पुन्यस्मृति में दादावाड़ी एव महावीर अन्नक्षेत्र में सेवा कार्य का आयोजन किया गया। राजेश सुराणा ने बताया कि सुशीला जी, सन्दीप, ज्योति, सुरेंद्र, खुशी, वंश रांका परिवार की तरफ से जैन दादावाड़ी में स्थित पक्षी शाला में पक्षी दाना का वितरण एवं महावीर अन्न क्षेत्र में भोजन का वितरण किया गया। इस अवसर पर सुरेंद्र रांका, राहुल बाबेल, राजेश सुराणा, पुष्पेंद्र चौधरी, दिलीप दक, अमित बाबेल, रोहित मूथा, अशोक पालडेचा, योगेन्द्र मेहता आदि सदस्य उपस्थित थे।

बद्रीनाथ धाम में 21 को मनाई जाएगी गुरु पूर्णिमा

उदयपुर /चित्तौड़गढ़. कासं। चित्तौड़गढ़ के मेंढकिया महादेव क्षेत्र में निर्माणाधीन बद्रीनाथ धाम में 21 जुलाई को गुरु पूर्णिमा महोत्सव मनाया जाएगा। मेवाड़ धर्म प्रमुख एवं चित्तौड़गढ़ धर्मांसद अधिकारी श्री श्री रोहित गोपाल सूत जी ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भक्ति और शक्ति के स्थली चित्तौड़गढ़ के बद्रीनाथ धाम में गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। जिसमें देश भर से श्रद्धालु पधारेंगे। कार्यक्रम में पधारे श्रद्धालु भजन कीर्तन एवं गुरु पूजन के साथ इस पावन पर्व को मनाएंगे। इस स्थान का महत्व बताते हुए श्री श्री रोहित गोपाल सूत जी ने कहा कि

चित्तौड़गढ नगरी मध्यमिका धोरेड़िया गांव के समीप मनोरम अरावली पर्वतमाला की गोद में मेंढकिया महादेव वन के समीप स्थित इस पवित्र स्थल की महिमा अद्भुत है। पाण्डव काल से भगवान श्रीकृष्ण की विश्राम स्थली रही इस भूमि के कण कण में भक्ति समाई है। जो धरा 350 नागा साधुओं की पवित्र समाधियों से वंदनीय है। अब वहां आने वाले श्रद्धालुओं को माँ कामख्या की पांच हजार वर्ष पुरानी प्रतिमा के अद्भुत एवं अलौकिक दर्शन भी प्राप्त होंगे। निमार्णाधीन बद्रीनाथ धाम में 21 जुलाई को गुरु पूर्णिमा महोत्सव मनाया जाएगा। मेवाड़ धर्म प्रमुख एवं चित्तौड़गढ़ धर्मांसद अधिकारी श्री श्री रोहित गोपाल सूत जी ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भक्ति और शक्ति के स्थली चित्तौड़गढ़ के बद्रीनाथ धाम में गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। जिसमें देश भर से श्रद्धालु पधारेंगे। कार्यक्रम में पधारे श्रद्धालु भजन कीर्तन एवं गुरु पूजन के साथ इस पावन पर्व को मनाएंगे। इस स्थान का महत्व बताते हुए श्री श्री रोहित गोपाल सूत जी ने कहा कि चित्तौड़गढ नगरी मध्यमिका धोरेड़िया गांव के समीप मनोरम अरावली पर्वतमाला की गोद में मेंढकिया महादेव वन के समीप स्थित इस पवित्र स्थल की महिमा अद्भुत है।

विशाल शोभा यात्रा जन समुदाय के साथ मुनि विनम्र सागर जी ससंघ का भव्य मंगल प्रवेश हुआ

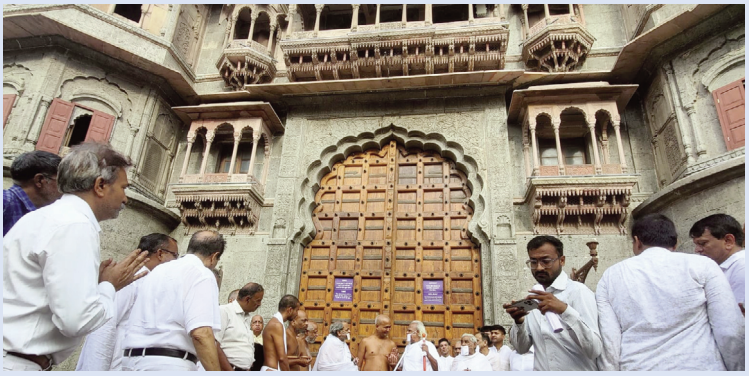

इंदौर. शाबाश इंडिया

शहर की पहचान स्वच्छ शहर के रूप में है अब इंदौर को गुरु भक्ति के रूप में भी जाना जाएगा। मां अहिल्या की नगरी इंदौर के पुण्य उदय से श्रमण संस्कृति के समाधीस्ट महामहिम संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी एवं नवाचार्य समय सागर जी महाराज के शिष्य मुनि श्री विनम्र सागर जी मुनी श्री निस्वार्थ सागर जी, मुनी श्री निसर्ग सागर जी क्षुल्लक श्री हीरक सागर जी ,संसघ का आज इंदौर नगर में चर्चित मिनी बुंदेलखंड खंड के नाम से धर्म नगरी छत्रपति नगर में ऐतिहासिक भव्य मंगल प्रवेश हुआ । समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि राजबाड़ा पर श्वेतांबर समाज के साधुओं ने अगवानी कर मंगलमय मिलन हुआ तत्पश्चात शोभा यात्रा राजबाड़ा से प्रारंभ होकर खजुरी बाजार गोराकुड से मल्हारगंज से बड़े गणपति से होते हुए धर्म नगरी छत्रपति नगर आदिनाथ जिनालय में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। रास्ते में जगह-जगह गुरु देव के पादप्रछालन एवं आरती समाज जनो द्वारा की गई। मार्ग में जगह-जगह बनाए गए स्वागत मंचो से मुनि श्री संसघ का अभिनंदन किया गया शोभायात्रा यात्रा में पुरुष वर्ग श्वेत वस्त्र में और महिलाएं पचरंगी ध्वज लेकर केसरिया साड़ी में चल रही थी।

All INDIA LYNESS CLUB

Swara

19 July' 24

Happy Birthday

ly Mrs Manjula jain

President : Nisha Shah
Charter president : Swati Jain
Advisor : Anju Jain
Secretary : Mansi Garg
P R O : Kavita kasliwal jain

All INDIA LYNESS CLUB

Swara

20 July' 24

Happy Birthday

ly Mrs Dolly Jain

President : Nisha Shah
Charter president : Swati Jain
Advisor : Anju Jain
Secretary : Mansi Garg
P R O : Kavita kasliwal jain

चातुर्मास कलश स्थापना आज

रजत कलश रिद्धि सिद्धि मंत्रो के साथ आज स्थापित होंगे

सिद्धचक्र महामंडल विधान मे इन्द्र, इंद्राणी ने 512 अर्घ्य समर्पित किए

टोंक. शाबाश इंडिया। परम पूज्य 108 आचार्य इंद्रनंदी जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य बालाचार्य 108 निपुणनंदी जी महाराज ससंघ का चातुर्मास कलश स्थापना श्री दिगंबर जैन नसिया अमीरगंज टोंक में आज शनिवार को दोपहर 1:00 बजे से अनेक धार्मिक कार्यक्रमों के साथ कलश स्थापित किए जाएंगे समाज के मीडिया प्रकोष्ठ मंत्री एवं प्रवक्ता पवन कंटान एवं कमल सर्राफ ने बताया कि शनिवार को प्रातःकाल अभिषेक शांतिधारा, सिद्धचक्र महामंडल विधान की आराधना के पश्चात दोपहर 1:00 बजे कार्यक्रम की शुरूआत की जाएगी जिसमे मंगलाचरण महिला मंडल द्वारा, चित्र अनावरण ,दीप प्रज्ज्वलित वषायोग की प्रस्तावना, चातुर्मास हेतु अचार्य संघ को समाज और कमेटी द्वारा श्रीफल भेंट, अचार्य संघ द्वारा स्वीकृती ,तत्पश्चात अतिथि सत्कार और सम्मान किया जाएगा आचार्य श्री का पूजन, मंगल कलशों की बोलियां पादपक्षालन,शास्त्रभेंट, मंगल प्रवचन आभार प्रकट किया जाएगा तत्पश्चात स्वर्ण एवं रजत कलशो की स्थापना रिद्धि सिद्धि मंत्रो के साथ स्थापना की जाएगी इसके साथ अखण्ड जाप कलशएवं अखंड ज्योत की जायेगी। जो अनवरत 4 महीने तक चलती रहेगी। चातुर्मास वषायोग व्यवस्था समिति के अध्यक्ष धर्मचंद दाखिया एवं मंत्री धर्मेंद्र जैन पासरोटियां ने बताया कि अष्टानिका महापर्व में लगातार सिद्ध चक्र महामंडल विधान की आराधना की जा रही है। जिसमे पंडित आकाश जी भैया एवं संगीतकार ललित एंड पार्टी सवाईमाधोपुर के सानिध्य में इंद्र एवं इंद्राणियों द्वारा अर्घ्य समर्पित किया जा रहे हैं। समाज के अध्यक्ष भागचंद फूलेता एवं राजेश सर्राफ ने बताया कि 21 जुलाई रविवार को गुरु पूर्णिमा महोत्सव 22 जुलाई सोमवार को वीर शासन जयंती बड़े धूमधाम से मनाई जाएगी जिनकी तैयारियां जोर-जोर से चल रही है चातुर्मास निर्विघ्न संपन्न हो इसके लिए प्रातः 8:00 बजे मत्रों के साथ झंडा रोहण किया जावेगा ।

बर्तनों की कला की पुनः प्राप्तिः कुम्हारों को मुख्य धारा से जोड़ने के लिये प्रयास

डॉ. सत्यवान सौरभ

बदलते दौर में भारत के गांवों में चल रहे परंपरागत व्यवसायों को भी नया रूप देने की जरूरत है। गांवों के परंपरागत व्यवसाय के खत्म होने की बात करना सरासर गलत है। अभी भी हम ग्रामीण व्यवसाय को थोड़ी-सी तब्दीली कर जिंदा रख सकते हैं। ग्रामीण भारत अब नई तकनीक और नई सुविधाओं से लैस हो रहा हैं। भारत के गांव बदल रहे हैं, तो इनको अपने कारोबार में थोड़ा-सा बदलाव करने की जरूरत है। नई सोच और नए प्रयोग के जरिए ग्रामीण कारोबार को जिन्दा रखकर विशेष हासिल किया जा सकता है और उसे अपनी जीविका का साधन बनाया जा सकता है। इसी दिशा में खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग ने पोखरण की एक समय सबसे प्रसिद्ध रही बर्तनों की कला की पुनःप्राप्ति तथा कुम्हारों को समाज की मुख्य धारा से फिर से जोड़ने के लिये प्रयास प्रारंभ किये हैं। आधुनिक उपकरणों ने मिट्टी के बर्तन बनाने वाले कारीगरों के सपनों को भी चकनाचूर कर दिया है। इन्होने मिट्टी बर्तन बनाकर रखे लेकिन बिक्री न होने की वजह से खाने के भी लाले पड़ गए। अब न तो चाक चल रहा है और न ही दुकानें खुल रही हैं। घर व चाक पर बिक्री के लिए पड़े मिट्टी के बर्तनों की रखवाली और करनी पड़ रही है। देश भर में प्रजापति समाज के लोग मिट्टी के बर्तन बनाने का काम करते हैं। ऐसे समय केंद्र एवं राज्य सरकारों के द्वारा ऐसी योजनाओं का लाना बेहद स्वागत योग्य कहा जाएगा। कुछ समय पूर्व उत्तरप्रदेश में भी ऐसी ही एक योजना लागू की गई थी। मिट्टी के बर्तनों के जरिए अपनी आजीविका कमाने वाले कुशल श्रमिकों के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल से देश भर के प्रजापति समाज के लोगों के लिए एक आस जगी, जिसके अनुसार राज्य के प्रत्येक प्रभाग में एक माइक्रो माटी कला कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) का गठन की बात आगे बढ़ी। । सीएफसी की लागत 12.5 लाख है, जिसमें सरकार का योगदान 10 लाख रुपये है। शेष राशि समाज या संबंधित संस्था को वहन कर रही है। भूमि, यदि संस्था या समाज के पास उपलब्ध नहीं है, तो ग्राम सभा द्वारा प्रदान की जा रही है। प्रत्येक केंद्र में गैस चालित भट्टियां, पगमिल, बिजली के बर्तनों की चक और पृथ्वी में मिट्टी को संसाधित करने के लिए अन्य उपकरण उपलब्ध करवाए जा रहे है। श्रमिकों को एक छत के नीचे अपने उत्पादों को विकसित करने के लिए सभी सुविधाएं मुहैया हो रही है। इन केंद्रों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध करवाने की कोशिश रंग ला रही है। राजस्थान के पोखरण में कुम्हारों के परिवारों को इलेक्ट्रिक पॉटर चाकों का वितरण किया गया है। इलेक्ट्रिक चाकों के अलावा, 10 कुम्हारों के समूह में 8 अनुमिश्रक मशीनों का भी वितरण किया गया है। अनुमिश्रक मशीनों का इस्तेमाल मिट्टी को मिलाने के लिये करते है और यह मशीन केवल 8 घंटे में 800 किलो मिट्टी को कीचड़ में बदल सकती है जबकि व्यक्तिगत रूप से मिट्टी के बर्तन बनाने के लिये 800 किलो मिट्टी तैयार करने में लगभग 5 दिन का लंबा समय लगता है। ऐसी योजनाओं के आने से गाँव में अब प्रत्यक्ष रोजगार का सृजन हो रहा है। खादी आयोग के ऐसे प्रयासों का उद्देश्य कुम्हारों को सशक्त बनाना, स्व-रोजगार का सृजन करना और मृतप्राय हो रही मिट्टी के बर्तनों की कला को पुनर्जीवित करना है। कुम्हारों को कुम्हार सशक्तीकरण योजना से जोड़ा जाना उनके लिए बड़ी खुशी और घर पर ही रोजगार का जरिया है। राजस्थान के कई ज़िलों जैसे जयपुर, कोटा, झालावाड़ और श्री गंगानगर सहित एक दर्जन से अधिक ज़िलों को लाभ प्राप्त हुआ है। यही नहीं बाड़मेर और जैसलमेर रेलवे स्टेशनों पर मिट्टी के बर्तनों के उत्पादों का विपणन करने और उसकी बिक्री के लिये सुविधा प्रदान करने का निर्देश भी जारी किया गया है, जिससे कुम्हारों को विपणन में सहायता प्रदान की जा सके। देश भर में 400 रेलवे स्टेशनों पर केवल मिट्टी/टेराकोटा के बर्तनों में खाद्य पदार्थों की बिक्री होती है जिनमें से राजस्थान के दो जैसलमेर और बाड़मेर शामिल हैं और ये दोनों प्रमुख रेलमार्ग पोखरण के सबसे नजदीक हैं। अब से राज्य इकाई इन शहरों में पर्यटकों के उच्च स्तर को देखते हुए इन रेलवे स्टेशनों पर अपने मिट्टी के बर्तनों की बिक्री में सुविधा प्रदान करने की भरपूर कोशिश करेगी। भारत भर में कुम्हार परिवार जो कई दशकों से मिट्टी के बर्तनों के निर्माण के कार्य से जुड़े थे, वो काम में कठिन परिश्रम और बाजार का समर्थन नहीं मिलने के कारण अन्य रास्तों पर पर मंजिल ढूंढ रहे थे। पर अब उनके लिए राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, जम्मू और कश्मीर, हरियाणा, पश्चिम बंगाल, असम, गुजरात, तमिलनाडु, ओडिशा, तेलंगाना और बिहार जैसे राज्यों के कई दूरदराज इलाकों में कुम्हार सशक्तीकरण योजना की शुरूआत जोर पकड़ रही है। नयी कुम्हार सशक्तीकरण योजना का उद्देश्य कुम्हार समुदाय को मुख्यधारा में वापस लेकर आना है। इस योजना के माध्यम से बर्तनों के उत्पाद का निर्माण करने के लिये मिट्टी को मिलाने के लिये अनुमिश्रक मशीनों और पग मिल्स जैसे उपकरण उपलब्ध कराए जाते हैं। इन मशीनों ने मिट्टी के बर्तनों के निर्माण की प्रक्रिया में लगने वाले कठिन परिश्रम को समाप्त कर दिया है और साथ ही इससे कुम्हारों की आय 7 से 8 गुना ज्यादा बढ़ गई है। पोखरण (जहाँ पर भारत ने अपना पहला परमाणु परीक्षण किया था) को अब बहुत जल्द ही उत्कृष्ट मिट्टी के बर्तनों का निर्माण स्थल के रूप में जाना जायेगा। परमाणु बम की जगह अब यहाँ कुम्हारों के चाक की ध्वनि गूंजेगी. कुम्हारों को आधुनिक उपकरण और प्रशिक्षण जैसे कार्यक्रमों के द्वारा उन्हें समाज के साथ जोड़ने और उनकी कला को पुनर्जीवित करने का अनूठा एवं सराहनीय प्रयास है। जब हम गांव में नयी और सहायता प्राप्त योजनाओं से ऐसे कारोबार शुरू करते हैं तो उससे सिर्फ हमें ही फायदा नहीं मिलता बल्कि हमारी एक सामाजिक जिम्मेदारी भी पूरी होती है। इन कामों से हम खुद आत्मनिर्भर बनते हैं और तमाम बेरोजगारों के लिए रोजगार के अवसर भी देते हैं। आज बदलते दौर में हर व्यक्ति की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह अपने साथ- साथ ही दूसरे लोगों को भी प्रोत्साहित करे। उन्हें खुद के काम करने के प्रति जागरूक करे। इसी से आने वाले समय में ग्रामीण भारत के सशक्तिकरण के सपने को हम पूरा कर पाएंगे।

संकल्प ही विकल्प

लोकल एडवाइजरी कमेटी की बैठक संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

SIHFW, झालाना डूंगरी में सीडार्ट संस्था द्वारा HSF के सहयोग से लोकल एडवाइजरी कमेटी की बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता डॉक्टर प्रमिला संजय द्वारा की गई तथा इसमें विषय विशेषज्ञों द्वारा भाग लिया गया ताकि किए गए कार्यों को अवलोकन किया जा सके और आने वाले समय में क्या कार्य किए जाने हैं उन पर चर्चा की जा सके। सीडार्ट के कार्यक्रम समन्वयक सी. पी. शर्मा ने बताया कि इस बैठक में सीडार्ट व HSF द्वारा चल रहे पंचायतीराज सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत पिछले तीन वर्षीय कार्यक्रम के दौरान की उपलब्धियों एवं कार्य के दौरान आने वाली कठिनाइयों का प्रस्तुतिकरण किया गया, जिसमे विशेषकर पंचायत समिति स्तर पर किये गए प्रशिक्षकों के प्रक्षिक्षण, जयपुर के 15 सरपंचों व वालंटियर्स को NIRD-PR से राष्ट्रीय स्तर का प्रक्षिक्षण दिलवाया गया, जो कि वर्तमान में राजस्थान सहित देश के अन्य राज्यों में भी प्रक्षिक्षण दिया जा रहा है। कार्यशाला में सीडार्ट की पैनल मेंबर श्रीमती गीतिका पांडेय, जयपुर मैराथन के सीईओ मुकेश मिश्रा, सीडार्ट की सचिव श्रीमती शिवलता सक्सेना, विधि सलाहकार श्रीमती गीता चौधरी, यूनिसेफ के प्रतिनिधि शफकत हुसैन जी, अरावली के निदेशक वरुण शर्मा जी, गोकुल वर्मा, निदेशक महात्मा गांधी संस्थान श्रीमती सोनिया जौहरी, निदेशक राधेश्याम शर्मा, अर्जुन लाल ज्योतिषी, पंचायती राज संस्थान के प्रतिनिधि यूनीसेफ के प्रतिनिधि विक्रम सिंह राघव, अरावली के निदेशक वरुण शर्मा एवं पंचायतीराज में कार्य करने वाली संस्थाओं के प्रतिनिधि तथा जमीनी स्तर पर जुड़कर काम करने वाले सरपँच, वार्ड पंच ग्राम विकास अधिकारी प्रोजेक्ट ऑफिसर्स उपस्थित रहे। SIDART संस्था की मानद सलाहकार एवं ल्तरत्र्रकी कंसल्टेंट डॉ प्रमिला संजय ने बताया कि हमारे द्वारा जनवरी 2008 से लगातार राजस्थान में पंचायती राज एवं महिला सशक्तिकरण के लिए कार्य कर रही है, 2008 में सर्वप्रथम बीलवा और श्री राम की नांगल पंचायत में जो दो महिला सरपंचों द्वारा संचालित पंचायते थी वहां से महिला सशक्तिकरण और पंचायत को जमीन पर आधारभूत स्तर पर काम करने के लिए कार्य शुरू किया गया, फिर सांगानेर की सभी 15 महिला पंचायतों में कार्य किया गया, सरपंच की पंचायत में यह विभिन्न कार्यशालाओं के माध्यम से और प्रैक्टिकल ट्रेनिंग देकर कार्य किया गया, ऑन द हैण्ड जॉब ट्रेनिंग के रूप में यह कार्य संचालित किया गया, इसी प्रकार कार्य करते हुए वर्ष 2018 से 2020 के बीच में जयपुर जिले के बस्सी पंचायत समिति में ग्राम पंचायत सांभरिया को आदर्श ग्राम पंचायत बनाने का कार्य संचालित किया गया। वर्ष 2018 से 2020 में विभिन्न पंचायत समितियों में तैयार किए गए प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण मॉड्यूल के माध्यम से प्रैक्टिकल ट्रेनिंग देने का कार्य किया गया और इसके माध्यम से अनेक ट्रेनर्स तैयार किए गए जो विभिन्न पंचायतों से आए थे जिसमें सरपंच ग्राम विकास अधिकारी और वॉलिंटियर्स सभी सम्मिलित थे। SIDART संस्था द्वारा इस प्रकार के कार्यक्रमों को संचालित करने के उपरांत और अनेक प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण संचालित किए गए और उनके द्वारा जमीनी स्तर पर किए गए कार्यों को भी समय- समय पर चर्चा करके देखा गया। इस प्रकार राजस्थान में प्रशिक्षण करने के बाद यह प्रशिक्षण मॉड्यूल एनआईआरडीपीआर अर्थात नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ रूरल डेवलपमेंट एंड पंचायती राज के डायरेक्टर जनरल के समक्ष तथा वहां की फैकल्टी के समक्ष भी प्रस्तुत किया गया और इसकी बहुत सराहना की और उन्होंने इस प्रकार के प्रशिक्षण को देखने के लिए इच्छा जाहिर की। राजस्थान के अन्य जिलों में प्रशिक्षण करने के बाद राजस्थान राज्य के बाहर भी इस वर्ष जून 2024 में नागपुर में लगभग 38 सरपंच ग्राम विकास अधिकारी एवं वार्ड मेंबर्स के साथ दो दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया और इस प्रशिक्षण में राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षक जो कि हमारे सरपंच और वॉलिंटियर्स हैं उनके माध्यम से प्रशिक्षण संचालित किया गया। इस वर्ष की रूपरेखा को आगे बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला के आयोजन के संबंध में राज्य स्तर की कार्यशाला के आयोजन के संबंध में तथा नवनिर्वाचित एवं नवीन राजकीय अधिकारियों और पंचायती राज के क्षेत्र में कार्य करने वाले सभी लोगों के साथ किस प्रकार कार्य को करके आगे बढ़ाना है।

डॉ प्रमिला संजया
मानद सलाहकार, SIDART

सहशैक्षणिक गतिविधियों में भागीदारी बढ़ाने हेतु पांच सदनों का गठन किया

बालेसर. शाबाश इंडिया

शहीद लाल सिंह राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय अजबार, बालेसर में भारती एयरटेल फाउंडेशन के क्वालिटी सपोर्ट कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों सहशैक्षणिक गतिविधियों में भागीदारी बढ़ाने हेतु पांच सदनों का गठन किया गया। शिक्षा विभाग के निदेर्शानुसार पृथ्वी, अग्नि, वायु, जल व आकाश हाउस का गठन कर इसके उद्देश्य से एवं गतिविधियों पर विस्तार से समझ बनाई गई। प्रत्येक हाउस से कप्तान व उपकप्तान का चुनाव लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत किया और मतदान की पूरी प्रक्रिया को समझा। इस पूरी प्रक्रिया में डिजिटल टेक्नोलॉजी का उपयोग कर डिजिटल ईवीएम के माध्यम से मतदान को सम्पन कराया गया। इस गतिविधि से विधार्थियों में लोकतान्त्रिक चुनाव प्रणाली की समझ बनी। हाउस के गठन से विधार्थियों में सहशैक्षणिक गतिविधि में भागीदारी बढ़ाने में सहयोग मिलेगा। कार्यक्रम में सहयोग प्रधानाध्यापक चोलाराम धांधू, धमार्राम मेघवाल, राकेश कुमार सैनी, श्याम लाल बैरवा, भूपेंद्र कुमार, दीपक पटेल, सत्यपाल यादव व दौलत राम ने किया। कार्यक्रम में तकनीकी सहयोग भारती एयरटेल फाउंडेशन के अकादमिक मेंटर पुनीत भटनागर ने किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतु का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

गुरु पूर्णिमा पर नगर से भक्तों का दल सागर जाएगा

दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी में जगत कल्याण के लिए की शान्ति धारा

जी पी एस मैपिंग टैगिंग के द्वारा तीर्थ भूमि को सुरक्षित रखने की जरूरत है : अतुल बड़जात्या

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

हमारे पूज्य गुरुदेव ने समाज पर कितने उपकार किये है। आज जो दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी देख रहे हैं ये सब परमपूज्य गुरुदेव की कृपा और आशीर्वाद से ही संभव हुआ। इस अंचल पर आचार्य भगवंत के साथ ही मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज की महती कृपा रही है हम सब थूवोनजी कमेटी भक्तों के साथ इक्कीस जुलाई को सागर में भाग्योदय सागर में गुरु पूर्णिमा महोत्सव मनायेंगे। इस समारोह में देशभर से भक्तों के दल सागर पहुंच रहे हैं उक्त आश्य केउद्गार मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी में व्यक्त किए।

एक सौ आठ रिद्धि मंत्रों से किया अभिषेक

इसके पहले आज दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी के खड़े बाबा भगवान आदिनाथ स्वामी का एक सौ आठ रिद्धि मंत्रों के साथ महाभिषेक किया गया इस दौरान जगत कल्याण की कामना के लिए महा शान्ति धारा की गई जिसका सौभाग्य दिल्ली से पधारे राष्ट्रीय महासभा के प्रतिनिधि अतुल बड़जात्या दिनेश जैन नीरज जैन के साथ ही विमल श्री एम्पोरियो परिवार प्रदीप जैन रानी पिपरई अनिल कुमार नीरज कुमार जयपुर के साथ ही शैलेन्द्र दददा को सौभाग्य प्राप्त हुआ जिनका सम्मान कमेटी के महामंत्री विपिन सिंघई मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा मंत्री प्रदीप जैन रानी पिपरई संरक्षण शैलेन्द्र दददा सोनू वगुल्या रिक्कू ओडेर वाटा वन्धुओ ने किया।

सुरक्षा को लेकर राष्ट्रीय कमेटी के दिशा निर्देश पर काम करेंगे

इस दौरान कमेटी के महामंत्री विपिन सिंघई ने कहा कि आज हमारे बीच दिल्ली से भारत वर्षीय दिगम्बर जैन महासभा के प्रतिनिधि अतुल बड़जात्या दिनेश जैन नीरज सहित अन्य प्रमुख जन पधारे हैं उन्होंने कमेटी को अपनी चिंताओ से अवगत कराया है देशभर के सभी मन्दिरो के साथ ही तीर्थ भूमियों का डिजिटलाईजेशन हो ऐसा अभियान चला रहे हैं जिसका हम स्वागत करते हैं हम राष्ट्रीय कमेटी के दिशा निर्देश पर काम करेंगे। आधुनिक तकनीक का उपयोग तीर्थ भूमियों की सुरक्षा के लिए हो। इस दौरान दिल्ली से पधारे राष्ट्रीय महासभा के प्रतिनिधि अतुल वडजात्या वैनाड़ ने कहा कि पूर्व केंद्रीय अल्पसंख्यक मंत्री मुख्तार नकवी द्वारा केंद्र सरकार के फंड से अल्पसंख्यक समाज की सभी धार्मिक और अन्य धरोहरों का डिजिटाइजेशन कराया जा चुका है ऐसे ही हमें कराने की आवश्यकता है। आज एक क्लिक पर देश के किसी भी राज्य के किसी भी जिले के किसी भी गांव, कस्बे या शहर में स्तिथ किसी भी धार्मिक या सामाजिक स्थल, भूमि, भवन आदि का ऋ्छर सर्वे के माध्यम से ऋ्छर मैपिंग, टैगिंग सुविधा उपलब्ध है जबकि वर्तमान में सभी जानकारियों का व्यक्तिगत रूप से संकलन कर पुस्तक रूप में प्रकाशित करना समय और आर्थिक रूप से असंभव है। जिसके कारण हजारों स्थानों का अतिक्रमण किया जा चुका है ऐसे में इस आधुनिक तकनीक के द्वारा हमें सभी तीर्थ क्षेत्र के साथ मन्दिरो को सुरक्षित करना होगा। इस दौरान मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि देशभर मन्दिर के साथ ही जैन धरोहर चाहे वह जैन समाज के मालिकाना अधिकार में हो या केंद्र सरकार, राज्य सरकार या पुरातत्व विभाग के अंतर्गत हो, उन्हें अतिक्रमण मुक्त बनाने हेतु उनका डिजिटल रूप में संकलन होना जरूरी है आज के समय की ये सबसे बड़ी आवश्यकता है हम अपने अंचल की तीर्थ कमेटी को इस अभियान से जुड़ते हुए तीर्थ क्षेत्र व शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के मन्दिरों की जानकारी महासभा के राष्ट्रीय कार्यालय को उपलब्ध कराएंगे और जो आपने राष्ट्रीय समन्वयक की नियुक्ति की है उनकी सेवाएं लेंगे।

सकल दिगंबर जैन समाज चोमू के सानिध्य में सिद्ध चक्र महामंडल विधान का आयोजन

चोमू. शाबाश इंडिया। सकल दिगंबर जैन समाज चोमू के सानिध्य में बड़े ही धूम धाम से किया जा रहा है जैन समाज प्रवक्ता पंकज बड़जात्या ने बताया कि चंद्र प्रभु दिगंबर जैन मंदिर जी में हो रहे सिद्ध चक्र महामंडल विधान के पंचम दिवस प्रतिष्ठाचार्य पं संनत कुमार जी के दिशा निर्देश अनुसार प्रातः अभिषेक शांति धारा का कार्यक्रम संपन्न हुआ। शांति धारा करने का सौभाग्य भागचंद राजेंद्र कुमार अशोक कुमार हीरालाल बड़जात्या को प्राप्त हुआ। बडजात्या ने बताया कि कल सायंकाल जैन भवन में मंत्र उच्चारण द्वारा 48 दीपको से भक्तामर अनुष्ठान का विशेष कार्यक्रम संगीतकार कैलाश दीवाना द्वारा भजनो द्वारा होगा जैन समाज मंत्री राजेंद्र पाटनी ने बताया कि श्री 1008 सिद्ध चक्र विधान मंडल एवं विश्व शांति महायज्ञ की पूजा की गई सौधर्म इंद्र एवं सभी इंद्र द्वारा मंडल पर 512 अघ चढ़ाए गए एवं शाम की महा आरती करने का सौभाग्य निहालचंद राकेश कुमार पंकज कुमार बडजात्या को प्राप्त हुआ।

अंबेडकर भवन पर 51 पौधे लगाए

जयपुर. शाबाश इंडिया। अग्रवाल समाज समिति जयपुर एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास प्रांत जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में वृहद पौधरोपण, ग्रीन जयपुर समृद्ध आयोजन 26 जुलाई से 26 अगस्त तक किया जाएगा। जिसके तहत 1लाख पौधे लगाए जाएंगे,जिसके तहत आज आज जवाहर नगर बाई पास स्थित नवल किशोर सर्किल के पास अंबेडकर भवन पर 51 पौधे लगाकर शुरूआत की गई। अग्रवाल समाज समिति के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश अग्रवाल ने बताया कि पौधरोपण कार्यक्रम को लेकर बैठक की गई। बैठक में मुख्य अतिथि जयपुर प्रांत सह संघ कार्यवाह हेमत सेठिया, क्षेत्र संरक्षक शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास डॉ दुर्गा प्रसाद अग्रवाल, प्रांत संयोजक नितिन कासलीवाल, जयपुर व्यापार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष एवं नगर निगम जयपुर द्वारा मनोनीत पर्यावरण एंबेसेडर सुभाष अग्रवाल, बीएल नाटियां, आनंद पोद्दार, लेखराज अग्रवाल, प्रताप भानु, कमल नानुवाला, पार्षद नीरज अग्रवाल, स्थानीय पार्षद एवं शहर के सभी क्षेत्र से पधारे गणमान्य बैठक में उपस्थित रहे । इस मौके पर बैठक मेंएक लाख से अधिक पौधों को भिन्न-भिन्न स्थानों पर जैसे कि शैक्षणिक संस्थाएं, धार्मिक स्थल, भिन्न-भिन्न संपूर्ण शहर की समाज समितियां एवं स्थानीय विकास समितियां को साथ जोड़कर के पौधों को रोपित करने के लिए आयोजन हो एवं आयोजनों को भव्य बनाने पर सहमति बनी।

चातुर्मास मंगल प्रवेश के पोस्टर का हुआ विमोचन

चूलगिरी पर होगा शनिवार को भव्य मंगल प्रवेश, अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज का मानसरोवर में मंगल प्रवेश 22 जुलाई को

जयपुर. शाबाश इंडिया

कुण्डलपुर मध्य प्रदेश से 750 किलोमीटर की दूरी तय कर जयपुर में मीरा मार्ग के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में चातुर्मास करने आ रहे संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य परम मुनि 108 प्रणम्य सागर मुनिराज ससंघ को शुक्रवार 19 जुलाई को बाकलीवाल फार्म हाऊस पर सकल दिगंबर जैन समाज जयपुर ने श्रीफल भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के चातुर्मास मंगल प्रवेश के बहुरंगीय पोस्टर का विमोचन किया गया। इस मौके पर राजस्थान जैन सभा जयपुर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष दर्शन बाकलीवाल, मंत्री विनोद जैन कोटखावदा,राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन, श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर मीरा मार्ग मानसरोवर के मंत्री राजेन्द्र सेठी, संगठन मंत्री अशोक सेठी, कोषाध्यक्ष लोकेन्द्र जैन, समाजसेवी जम्बू कुमार बाकलीवाल, कमल वैद, कैलाश छाबड़ा, सुबोध चांदवाड,पदम पाटनी, विजय सोगानी, सोभाग मल जैन सहित बडी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे। श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन समिति मीरा मार्ग के मंत्री राजेन्द्र सेठी ने बताया कि मुनि श्री ससंघ का शनिवार 20 जुलाई को प्रातः कानोता से मंगल विहार कर आगरा रोड स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी में प्रातः 7.30 बजे भव्य मंगल प्रवेश होगा । मंदिर दर्शन के बाद धर्म सभा का आयोजन किया जाएगा। मुनि संघ की आहार चर्या चूलगिरी पर ही होगी। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन समिति के अध्यक्ष सुशील पहाड़िया ने बताया कि मुनिराज ससंघ का चूलगिरी से सायंकाल 5.00 बजे भट्टारक जी की नसियां के लिए मंगल विहार होगा ।रविवार 21 जुलाई को भट्टारक जी की नसियां में मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में गुरु पूर्णिमा पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। सायंकाल मुनि संघ विहार कर टौक रोड पर स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर महावीर नगर पहुचेगा जहां मुनि संघ का रात्रि विश्राम होगा। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि सोमवार 22 जुलाई को प्रातः महावीर नगर दिगम्बर जैन मंदिर से भव्य ऐतिहासिक जुलूस के साथ मीरा मार्ग मानसरोवर में भव्य मंगल प्रवेश होगा। समिति के मंत्री राजेंद्र कुमार सेठी ने बताया कि जुलूस की तैयारियां जोर शोर से चल रही है। जुलूस में लवाजमा सहित युवा मण्डल, महिला मण्डल, स्कूल कालेज के छात्र - छात्राएं, जैन सोश्यल ग्रुप्स, दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सहित समाज की विभिन्न संस्थाओं के सदस्य बडी संख्या में शामिल होंगे। मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज ससंघ की 27 वां पावन वषायोग मंगल कलश स्थापना रविवार, 28 जुलाई को दोपहर 1.00 बजे से आदिनाथ भवन मीरा मार्ग पर। होगी जिसमें पूरे देश से हजारों श्रद्धालुगण शामिल होंगे।

दुर्गापुरा में किया पेड़ लगाओ-देश बचाओ थीम पर वृक्षारोपण कार्यक्रम

राजस्थान जैन युवा महासभा का 15000 वृक्षारोपण के लक्ष्य के तहत हुआ आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान जैन युवा महासभा के तत्वावधान में जयपुर जिला शाखा एवं टोंक रोड मानसरोवर संभाग व दुर्गापुरा जोन के सहयोग से पर्यावरण संरक्षण में सहयोग देने हेतु युवा महासभा के 15000 वृक्षारोपण अभियान के तहत दुर्गापुरा स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में एक पेड मां के नाम अभियान के अन्तर्गत वृक्ष लगाओ देश बचाओ के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया। आयोजन के विशिष्ट अतिथि प्रसिद्ध समाजसेवी शिखर चंद कासलीवाल साईवाड़ वाले एवं फेमस आर्किटेक्ट तुषार सोगानी व नगर निगम में ए क्लास ठेकेदार और वृक्ष विशेषज्ञ धनकुमार पांड्या रहे। कार्यक्रम के मुख्य समन्वयक राकेश गोधा व प्रदेश महामंत्री विनोद कोटखावदा के अनुसार विद्यालय प्रांगण में प्राचार्य प्रमिला सिंघई और वॉयस प्रिंसिपल देवेंद्र तथा बच्चों और अध्यापकों ने युवा महासभा की टीम का सहयोग करते हुए 4 से 6 फिट के 100 वृक्ष लगाए। इस मौके पर मुख्य संयोजक भारत भूषण जैन, प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन, प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, जयपुर जिला अध्यक्ष संजय जैन पांड्या, महामंत्री सुभाष बज, जयपुर कार्याध्यक्ष राजेश बड़जात्या, प्रदेश कोषाध्यक्ष रवि प्रकाश जैन, संभाग अध्यक्ष मुकेश कासलीवाल, जोन पदाधिकारी महेंद्र पाटनी ,सुनील बिलाला, कार्यक्रम के संयोजक सी एस जैन, आलोक जैन, पूनम जैन तिलक, भरत जैन ,रितेश जैन, जयपुर टीम के उपाध्यक्ष पवन पांड्या सहित युवा महासभा की कार्यकारिणी सदस्यों ने वृक्ष लगाकर पर्यावरण में सहयोग प्रदान किया। इस मौके पर सैकड़ों बच्चों, अध्यापकों और महासभा के कार्यकर्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण के अन्तर्गत पेड़ों की देखभाल करने की शपथ ली। कार्यक्रम का संचालन राकेश गोधा, नीता परनामी, प्रकाश जैन एवम् वर्षा अजमेरा ने किया। प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि युवा महासभा की ओर से 15000 वृक्षारोपण के अभियान के तहत सभी 15 जोनो में एक - एक हजार पौधे लगाए जाएंगे तथा उनकी देखभाल का जिम्मा लिया जाएगा।